Polisc

B.A. Part Ist Paper 1st

दबाव समूह: स्वरूप, कार्य और भूमिका

(Pressure Groups: Nature, Role and Functions)

दबाव समूह को साधारणत: हित समूह भी कहा जाता है। दबाव समूह कुछ व्यक्तियों का समूह है, और वे किसी विशेष लाभ के लिए आपस में बंधे हुए हैं और उन्हें पूर्ण जानकारी भी है। हम उन्हीं समूहों को दबाव समूह या हित समूह कहा जा सकता है, जिनमें संगठन है, जिनमें विशेष कार्यकर्ता होते हैं जिनके सामाजिक एवं राजनीतिक उद्देश्य स्पष्ट रूप से वर्णित होते हैं तथा विभिन्न संस्थाओं के बीच रहकर अपना कार्य संपन्न करते हैं।

हित समूह या दबाव समूह को परिभाषा देते समय हम कह सकते हैं कि दबाव समूह या हित समूह का ध्येय शासन के निर्णयों को प्रभावित करना हो परंतु स्वयं अपने सदस्यों को शासन के पदों पर स्थापित करने का प्रयत्न न करे। अत: दबाव समूह या हित समूह की गतिविधियाँ राजनीतिक प्रक्रिया का अभिन्न अंग होती है और उनके शासन की नीतियों और निर्णयों को प्रभावित करने का प्रयत्न किया जाता है। दबाव समूहों के स्वरूप या आकार की कोई सीमा नहीं बताई जा सकती। इसमें मालिकों और मजदूरों के ऐसे शक्तिशाली संगठन भी आ सकते हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हो और ऐसी मुहल्ला की समितियाँ भी आ सकती हैं जिनका उद्देश्य केवल अपने मुहल्ले में नागरिक सुविधाओं में ~~नागरिक सुविधाओं~~ में सुधार लाना हो। फिर कुछ समूह ऐसे भी होते हैं ऐसे भी होते जो केवल अपने विशिष्ट हितों की देख रेख करते हैं, जैसे आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक या जातीय

आधार पर संगठित होते हैं, जो प्रायः स्वार्थ मूलक होते हैं। परंतु कुछ दबाव समूह परमार्थ या सर्वहित की भावना से प्रेरित होते हैं। उदाहरण के लिए, गोहत्या-विरोधी संगठन धार्मिक भावना से प्रेरित हो सकता है, परन्तु पशुओं के प्रति क्रूरता-विरोधी संगठन मुख्यतः दयाभाव से प्रेरित है क्योंकि इसके सदस्य कोई अपना स्वार्थ नहीं साधते। इसी तरह, आणविक शस्त्रविरोधी संगठन पूरे विश्व की शांति से अपना सरोकार रखते हैं, अपने संकीर्ण स्वार्थों की बात नहीं सोचते।

दबाव-समूह की विशेषताएँ :— दबाव-समूह की अनेक विशेषताएँ हैं। जैसे

(I) मूल्यों का वितरण (Distribution of Values) :— दबाव-समूह की पहली विशेषता है कि इसके द्वारा ही राजनीतिक प्रक्रिया में मूल्यों के वितरण का काम संपन्न किया जाता है। विशेष हितों की रक्षा के लिए जब कुछ व्यक्तियों का समूह राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेता है, ऐसी परिस्थिति में दबावसमूह या हितसमूह का जन्म होता है।

(II) राजनीति में सक्रियता :— दबाव समूह की दूसरी विशेषता अपने हितों की रक्षा के लिए यह राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेता है। इसकी विशेषता के संबंध में विद्वान एक्सलीन ने कहा है कि "दबाव समूह राजनीतिक समूहों के पूर्ण राजनीतिकरण से कुछ कम और पूर्ण अराजनीतिकरण से कुछ अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। यह राजनीतिक और अराजनीतिक गतिविधि को मध्य स्तर से ग्रहण करता है।"

(III) राजनीतिक दलों से भिन्न चरित्र :— दबाव समूह की तीसरी विशेषता यह है कि यह राजनीतिक दलों से भिन्न होता है। राजनीति दल एक बड़ा संगठन है, जिसके अपने

Scanned with CamScanner

निश्चित सिद्धान्त और कार्यक्रम होते हैं। राजनीतिक दल देश की राजनीति में अपनी स्पष्ट भूमिका निभाते हैं। जब की इसके विपरीत दबाव समूह यह दिखाने का प्रयास करता है कि उसका चरित्र राजनीति नहीं है, और राजनीति से उसका कोई संबंध नहीं है। राजनीति दल और दबाव समूह का चरित्र राजनीति हो जाता है।

(iv) अनेक रूप (Different Forms) :— इसकी चौथी विशेषता है। कि यह कई रूपों में वर्णित है। वर्गीय दबाव समूह और लक्षीय दबाव समूह। राजनीति में जो सक्रिय रूप से भाग लेता रहता है, उसे वर्गीय दबाव समूह कहा जाता है, जब कोई समूह केवल हित की रक्षा करने के लिए थोड़े समय के लिए गठित किया जाता है, उसे लक्षीय दबाव-समूह कहा जाता है। आमंड और पावेल ने दबाव समूह को चार भागों में बांटा है। (i) संस्थागत (Institutional) सरकार की प्रक्रिया को चलाने संलग्न दबाव समूह संस्थागत माना जाता है, (ii) गैर-संघीय (Non-associational) इन श्रेणी में वैसे दबाव समूह आते हैं जिनमें संगठन का अभाव रहता है और उनके बीच संचार व्यवस्था भी अनौपचारिक होती है। (iii) अप्रतिमानित (Anomic) इसमें वैसे दबाव समूह आते हैं जो अचानक गठित होते हैं और हित विशेष की पूर्ति के बाद समाप्त हो जाते हैं (iv) संघीय (Associational) इसमें वैसे दबाव समूह आते हैं, जिनकी अपनी संस्था होती है, और वे विशेष व्यक्ति समूह के हितों की रक्षा करते हैं। इनका गठन वैसे लोगों के लिए किया जाता है, जो अन्य राजनीतिक संस्थाओं से निबटने के लिए किया जाता है।

Scanned with CamScanner